विराट वैभव

Wed, 27 Sep-17; Virat Vaibhav - Delhi; Size : 530 sq.cm.; Circulation:-; Page : 9

सरकार नदियों की स्वच्छता व अविरलता के लिए कटिबद्ध

नदी है तो जल है और जल है तो जीवन

वैभव न्यूज ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नदियों को बचाने पर जोर देते हुए कहा है कि यदि नदी है तो जल है और जल है तो जीवन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तर प्रदेश की सभी नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है। विकास की अवैज्ञानिक सोच की वजह से आज नदियों को बचाना एक चुनौती हो गया है। अब समय आ गया है कि हम सब नदियों को बचाने के लिए अभियान स्वरूप काम करें, ताकि हमारा भविष्य सुरक्षित हो सके। नदियों के संरक्षण के लिए चलाए ता रहे अभियान रैली फॉर रिवर्स में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल नारा नहीं बल्कि सृष्टि को बचाने का प्रयास है । यह अभियान ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सदगुरू जग्गी वासुदेव की अगुवाई में चलाया जा रहा है। प्रदेश की राजधानी पहुंचने पर इस अभियान को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सीएम योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य व दिनेश शर्मा सहित सरकार के कई मंत्री शामिल हुए। इस मौके पर सीएम ने रैली फॉर रिवर्स अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा नदियों को बचाने के लिए जनभागीदारी जरूरी है। उत्तर भारत की गंगा और यमुना दो महत्वपूर्ण नदियां हैं। इनकी वजह से इलाके की जमीन उर्वर है पर आज इनकी क्या हाल है यह सबके सामने है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में कावेरी ही नहीं उत्तर भारत में भी कई ऐसी नदियां है जो सदानीरा होती थी पर आज वे लगभग सूख सी गई हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में प्रयागराज में अर्धकुंभ होना है और कुंभ का महत्व संगम की वजह से हैं जिसे गंगा यमुना और सरस्वती का संगम माना जाता है। इसमें सरस्वती आज वहां उस रूप में नहीं है जिस रूप में उसका उल्लेख पुराणों में हैं। सीएम ने कहा कि लखनऊ की कई कॉलोनियों को आज भी शुद्ध जल नहीं मिलता होगा क्योंकि गोमती नदी में 36 नालों को गिरा दिया गया है। नदी का पानी गंदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में हमारी सोंच मैं और मेरा तक सीमित होकर रह गई है तथा इसका परिणाम सबके सामने है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पास यमुना , गाजियाबाद के पास हिंडन और कानपुर के पास गंगा की हालत सबके सामने है। इससे पता चलाता है कि अपने प्रतीकों के प्रति हमारा क्या दृष्टिकोण है और हम अपनी संस्कृति के प्रति कैसा भाव रखते हैं। रैली फॉर रिवर्स अभियान की तारीफकरते हुए कहा यह सचमुच

एक शानदार अभियान है। उन्होंने जग्गी वासुदेव से कहा जिस प्रकार का अभियान आप प्रस्तुत कर रहे हैं आज देश को इसकी जरुरत है। उत्तर प्रदेश की सरकार भी इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहाए गोमती नदी के जल को शोधन कर इसके अस्तित्व बचाने का काम किया जा रहा है। लखीमपुर से लेकर लखनऊ तक इसका प्रवाह निर्मल कैसे बनाया जाए इसकी कार्ययोजना सरकार ने बनाई है। गंगा के लिए भी कार्ययोजना पर काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने नमामि गंगे परियोजना के लिए 20 हजार करोड रुपए की व्यवस्था की है। उत्तर प्रदेश में गंगा लगभग 125 किमी का सफर तय करती है और इसके किनारों पर 1625 गांव बसे हुए हैं। सरकार ने पहले चरण में इन सभी गांवों को खुले में शौच से मुक्त कर दिया है। दूसरे चरण में महानगरों के कचरे और औद्योगिक कचरे को गंगा में जाने से रोकने की योजना है। इसके लिए 39 एसटीपी बनाए जा रहे हैं। इनके चालू होने के बाद गंगा में कचरे को जाने से रोका जाएगा। उन्होंने कहा कि गंगा में सबसे अधिक प्रदूषण कानपुर के जाजमऊ क्षेत्र से जाता है। सरकार इस बात के लिए प्रयासरत है कि अर्धकुभ के पूर्व एक भी गन्दा नाला अथवा कचरा गंगा में न जाए। मुख्यमंत्री ने प्रयाग अर्द्धकुम्भ 2019 से पहले गंगा जी की धारा अविरल और निर्मल बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नदियों को मां का स्थान प्राप्त है। भारतीय जन-जीवन में नदियों के प्रति गहरी आस्था है।

वर्ष 1985-86 में लागू किए गंगा एक्शन प्लान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें और 'नमामि गंगे' परियोजना में यह फर्क है कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से केन्द्र सरकार द्वारा फण्डेड है, जबकि गंगा एक्शन प्लान में राज्यों की सहमति की आवश्यकता पड़ती थी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश तथा बिहार में अब समान विचारधारा की ही सरकारें हैं। ऐसे में, गंगा जी को स्वच्छ और निर्मल बनाते हुए उसे अविरल करने में कोई समस्या नहीं आएगी। साथ ही, इसकी सहायक नदियों की दशा सुधारने का भी काम किया जाएगा। योगी ने कहा कि नदियों की दशा सुधारने के लिए राज्य सरकार द्वारा उनके किनारे बड़ी संख्या में वृक्षारोपण कराया जा रहा है। गंगा जी के किनारे 01 करोड़ पौधे रोपित किए गए हैं। शासन-प्रशासन तथा जनता ने इसमें सक्रिय योगदान दिया। विगत दिनों प्रदेश में 06 करोड़ पौधों का रोपण किया गया। राज्य सरकार ने इस बात का ध्यान रखा है कि रोपे जाने वाले पौधों में पीपल, पाकड़, आम, नीम के अलावा औषधीय पौधों को लगाया जाए। राज्य सरकार लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित भी कर रही है। उन्होंने कहा कि इको-टूरिज्म के माध्यम से भी हम लोगों को पर्यावरण से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने ईशा फाउण्डेशन की 'रैली फॉर रिवर्स' पहल का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की कि यह अभियान भारत में नदियों को बचाने में सफल होगा। उन्होंने इस अभियान के प्रति अपनी शुभकामनाएं भी व्यक्त कीं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ईशा फाउण्डेशन के संस्थापक सद्गुरु ने कहा कि हमें हर हाल में पृथ्वी की रक्षा करनी होगी, क्योंकि पर्यावरण असंतुलन की स्थिति अब काफी बिगड़ चुकी है। हमारी नदियां हमारी धरोहर हैं और हमारी प्राणदायिनी भी हैं। इसलिए हमें इनकी हर हाल में रक्षा करनी होगी।